विदेशी मुद्रा व्यय की गई है और इसके कारण देश को कितनी वार्षिक हानि हुई है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्यमंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) वर्ष 1992-93 के दौरान पैराफिन मोम का देशी उत्पादन लगभग 47,000 मी० टन था । इसकी तुलना में देश में पैराफिन मोम की वास्तविक मांग काफी अधिक है । निजी क्षेत्र से संबंधित आंकड़े नहीं रखे जाते हैं ।

(ख) से (घ) जबकि टाइप III पैराफिन मोम की कुल मांग पूर्णरूपेण देशी उत्पादन द्वारा पूरी की जाती है तथापि टाइप-I तथा टाइप-II पैराफिन मोम का आयात किया जा रहा है क्योंकि इसका भारत में पर्याप्त उत्पादन नहीं होता है ।

पिछले तीन वर्षों में किये गये आयात की मात्रा और उसका मूल्य निम्नलिखित है :—

(करोड़ रुपए)

	मात्रा	सी०आई०एफ० मूल्य
1989-90	20 टी०एम०टी०	26.95
1990-91	23 टी०एम०टी०	34.44
1991-92	25 टी०एम०टी०	55.56

पैराफिन मोम की आपूर्ति और बिक्री पर लगभग 130 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष पूल खाते से आर्थिक सहायता के रूप में खर्च की जा रही है ।

Permission for making Mini Gas Cylinders

1205. SHRI ISH DUTT YADAV : Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether Government have permitted any company to make Mini Gas Cylinder in the country;

(b) if so, the names of the companies and the rules, if any, made for them ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPTAIN SATISH SHARMA) : (a) According to the information given by the Directorate General of Technical Development (DGTD), no unit has been registered with them specifically for manufacture of Mini Gas Cylinders.

(b) Does not arise.

पैट्रोलियम लाने वाले निजी माल-वाहक जहाज

1206. **श्रीमती सत्या बहिन** : क्या **पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों से भारत में पैट्रोलियम तथा पैट्रोलियम उत्पादों को लाने के कार्य में कितने निजी मालवाहक जहाज लगे हुए हैं ;

(ख) उक्त मालवाहक जहाज किन-किन कम्पनियों के हैं और उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) इन निजी मालवाहक जहाजों से अनुबंध कब किया गया था और अनुबंध की निबंधन और शर्तें क्या हैं तथा उनके साथ कितनी अवधि के लिए अनुबंध किया गया था; और

(घ) क्या इन सभी शर्तों को पूरा किया गया है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) विवरण निम्नलिखित हैं :—

कम्पनी	क्रूड कैरियरों की संख्या	उत्पाद कैरियरों की संख्या
ग्रेट इस्टर्न शिपिंग	1	8
ऐस्सर शिपिंग	3	5
इंडिया स्टीमशिप (रत्नाकर शिपिंग)	1	—
वरुण शिपिंग	—	2
सेन्चुरी शिपिंग	—	3
योग	5	18

(ग) और (घ) समय-समय पर मौजूदा उत्पाद की अनुमानित जरूरत के आधार पर क्रूड तथा पैट्रोलियम उत्पादों के परिवहन हेतु मालवाहक जहाजों को काम पर लगाया जाता है। क्रूड केरियरों के लिए चार्टर हायर की दरों का निर्णय सरकार द्वारा अनुमोदित वार्षिक आधार पर अद्यतन की हुई लागत तथा फार्मूला के आधार पर किया जाता है।

Strictures passed against ONGC of CPU

1207. SHRI B.K. HARIPRASAD: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Committee on Public Undertakings has passed strictures on the procedures adopted by ONGC for award of contracts for various purchases and works;

(b) whether certain irregularities have been detected in the purchase of Pour Point Depressions (PPD) resulting in an avoidable extra expenditure of more than Rs. 70 lakhs to ONGC;

(c) whether in this report the ONGC was found wanting to enforce the penalty clause contracts on defaulting suppliers to safeguard its interests; and

(d) whether it is also a fact that the officials charged with such misdemeanours were given promotions when the investigations were on and whether deserving punishment has been meted out to them since completion of the investigations?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPTAIN SATISH SHARMA) : (a) to (c) The Committee on Public Undertakings in its Thirteenth Report (1992-93) on ONGC—Extra expenditure of Rs.70.31 lakhs on the purchase of Pour Point Depressent have recommended that ONGC should review its system of awarding contracts for various purchases/works etc. with a view to remove various deficiencies, if any, that exist in the present system.

(d) Out of the 6 officers against whom CBI had recommended departmental action, two officers were promoted by ONGC while the CBI enquiry was in progress. On the basis of the CBI Report departmental action has been initiated against all these officers except one record level officer since it was found that no charge of omission was sustainable against him in any Departmental enquiry.

बिहार में एल०पी०जी० वितरकों के विरुद्ध शिकायतें

1208. **श्री कामेश्वर पासवान : क्या पेट्रोलियम और प्राकृति गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार को इंडियन आयल कम्पनी के एक एल०पी०जी० गैस वितरक, मैसर्स पार्वती गैस सर्विस, सिवान, बिहार के विरुद्ध गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में कोई कार्यवाही आरंभ न करने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त वितरक ने एल०पी०जी० गैस कनेक्शन हेतु वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे व्यक्तियों को प्राथमिकता सूची के अनुसार गैस कनेक्शन देने के बजाए अन्य लोगों से काफी धनराशि लेकर उन्हें गैस कनेक्शन दे दिए हैं ; और

(घ) क्या सरकार वास्तविक कनेक्शनधारियों को डी०बी०सी अथवा दूसरा गैस सिलेण्डर की सुविधा देने के लिए कोई प्रभावी तरीका अपनाने का विचार रखती है जिससे एल०पी०जी० वितरकों द्वारा की जा रही धांधली को कम करने में सहायता मिल सके ?